अभ्युदय संस्थान

कुम्हारी –धमधा रोड, अछोटी, मो. 9406049596

प्रेस नोट

कानपुर के सर्वधर्म सम्मेलन में सार्वभौम मानव धर्म का प्रतिपादन

सार्वभौम मानवीय व्यवस्था की स्थापना के उद्देष्य संचालित अभ्युदय संस्थान मानवीय षिक्षा के अध्ययन केन्द्र के रूप में स्थापित हो चुका है । रायपुर 25 किमी की दूरी पर कुम्हारी–अहिवारा रोड स्थित अभ्युदय संस्थान देष ही नही विदेष के अनेकानेक जिज्ञासुओं को अमरकंटक वासी श्री ए. नागराज द्वारा प्रतिपादित मध्यस्थ दर्षन के प्रकाष में सर्वतोमुखी समाधान का मार्ग प्रषस्त कर रहा है । इसी कड़ी में बहुराष्टीय आईटी कंपनी से त्यागपत्र देकर पूना निवासी श्रीराम नरसिम्हन और **हिंदुस्तान लीवर कंपनी** से त्यागपत्र देकर उनकी पत्नी श्रीमती गौरी ने अध्ययन–षोध का कार्य संस्थान में **१.५ वर्ष** रहकर किया । वर्तमान में यह दंपत्ति छत्तीसगढ़ षासन एवं अभ्युदय संस्थान के सहयोग से संचालित चेतना विकास मूल्य षिक्षा योजना के तहत प्रदेष के चुने हुए लगभग 50 षिक्षकों का अध्ययन षिविर करा रहे हैं । इसके अलावा देष के अनेक स्थानों में मध्यस्थ दर्षन के प्रकाष में जीवन विद्या षिविर के माध्यम से जिज्ञासुओं की अनेक षंकाओं का समाधान प्रस्तुत करते हैं ।

इसी कड़ी में कानपुर के करौली ग्राम में 23 अप्रैल को सर्वधर्म सम्मेलन का आयोजन प्रस्तावित है जिसमें ए. नागराज जी के साथ साथ संस्थान से सोमदेव त्यागी, अंजनी गाडादिया, योगेष–स्वर्णा **(मेकनिकल इंजिनियर), राकेश गुप्ता (आई.आई.टी. दिल्ली के, पूर्व में नोकिया कंपनी में कार्यरत थे)** आदि सम्मिलित होंगे| इसमें विभिन्न धर्मों के विषेषज्ञ तो एकत्रित होंगे ही लेकिन वे अपने–अपने धर्मों के नीति उपदेषों पर चर्चा कर इस बात को समझने का प्रयास करेंगे कि सार्वभौम मानवधर्म का अर्थ क्या है ? विगत वर्षों से यह महसूस किया जा रहा है कि विभिन्न धर्मावलंबी आपस में एक दूसरे के साथ सम्मान एवं विष्वास के साथ व्यवहार करें। दुनियाभर में मानव के असल धर्म की पहचान की कवायद चल रही है। विभिन्न धर्म परम्पराएं मानव धर्म की बातें तो पहले से ही करती रही हैं। पष्चिम में भी विगत दो सौ वर्षों में मानववाद का प्रतिपादन और विकास हुआ है। धीरे–धीरे मानववादी दृष्टिकोण का दायरा बढ़ रहा है। कानपुर के इस अद्भुत सर्वधर्म सम्मेलन में सर्वमानव को एक करने वाले सार्वभौम मानव धर्म एवं सार्वभौम मानवीय आचरण **का प्रतिपादन** होगा। यह सम्मेलन मानव मंदिर, लवकुष आश्रम, ग्राम करौली, कानपुर में आगामी 23 अप्रैल, 2012 को आयोजित होगा।

इस सम्मेलन की अवधारणा के पीछे मध्यस्थ दर्षन सह–अस्तित्ववाद के प्रणेता श्री ए.नागराज हैं जिन्होंने 25 वर्षों तक गहन साधना कर **सम्पुर्ण अस्तित्व, वास्तविकता को "जैसे है, वैसे ही" समझा, अनुभव किया, मानव के प्रयोजन को समझा,** मानवीय सूत्रों का अनुभव किया, तथा स्थिर मानवीय आचरण की पहचान कर सार्वभौम मानव धर्म की व्याख्या प्रस्तुत की है, जिसके आधार पर मानवीय आचरणसूत्र, मानवीय आचार संहिता, मानवीय संविधान तथा सार्वभौम व्यवस्था की सूत्र व्याख्या संभव हुई है। **इस दर्शन में मानव के सभी प्रश्नों का, सभी समस्याओं के समाधान का दावा हैं| डा अब्दुल कलाम, होमी भाभा, सी.वी. रमण, तिबत के प्रधान मंत्री श्री सामदोंग रिनपोचे जैसे विशेषग्य श्री नागराज जी से मिल चुके है| सम्मलेन में स्वेच्छा पूर्वक आने वालों का स्वागत है| आगमन हेतु सम्मेलन वेब साईट** www.madhyasth.info **देखें, फोन संपर्क: 09907794154, 09403765359 | भोजन एवं ठहरने की व्यवस्था की जायेगी |**